EDITOR'S SCATVIEW

Manoj Kumar Madhavan

*The pandemic and the upheavals caused due to it has still not gone away and we are still in the midst of it. Despite this it was heartening to see a positive PWC report which stated '**India's Entertainment & Media industry is expected to reach INR 4.3 lakh crores by 2026**'.*

*'**There is an exciting pace of growth of digital media and advertising led by the deeper penetration of internet and mobile devices in our market. At the same time, traditional media will hold their steady growth rate over the next few years. We shall see a very different profile of media and entertainment related businesses and revenue models emerging in the digital space once we have the rollout of 5G.' says the report.***

It is encouraging to note the part of traditional media holding on to their steady growth rate and a very different profile of media and entertainment related businesses and revenue model with the rollout of 5G as stated in the report.

Where does this leave the CATV industry? That has been the moot point for us to look at. The answer is in the report itself. How the CATV industry will reinvent itself in the next 5 – 10 years and look at new revenue models and different profile of businesses to sustain and grow themselves…

This is the cue for the CATV industry and its stakeholders to take affirmative steps to ascertain their future.

The Telecom Regulatory Authority of India has once again extended the deadline for the implementation of the new broadcast sector tariff regulations - NTO 2.0, by almost six months, to November 30th.

PPC Technologies newly constructed plant in Kochi features state-of-the-art manufacturing capabilities for broadband and 5G products. This is a great fillip to the 'Make in India' program.India is on the cusp of emerging as a powerhouse of entertainment. Let's raise a toast to that!

(Manoj Kumar Madhavan)

*महामारी और इसके कारण हुई उथल–पुथल अभी दूर नहीं हुई है और हम अभी भी इसके बीच में हैं। इसके बावजूद पीडब्लूसी की एक सकारात्मक रिपोर्ट देखकर खुशी हुई, जिसमें कहा गया था कि '**भारत का मनोरंजन और मीडिया उद्योग 2026 तक 4,30,401 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है**।*

रिपोर्ट में कहा गया है कि 'हमारे बाजार में इंटरनेट और मोबाइल उपकरणों की गहरी पैठ के कारण डिजिटल मीडिया और विज्ञापन के विकास की एक रोमांचक गति है। साथ ही, पारंपरिक मीडिया अगले कुछ वर्षों में अपनी स्थिर विकास दर को बनाये रखेगा। एक बार जब हम 5जी का रोल आउट कर लेंगे तो हम डिजिटल स्पेस में मीडिया और मनोरंजन से संबंधित व्यवसायों और राजस्व मॉडल की एक बहुत ही अलग प्रोफाइल देखेंगे।'

इसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि '5जी के रोल आउट के साथ पारंपरिक मीडिया के हिस्से को उनके स्थिर विकास दर और मीडिया व मनोरंजन से संबंधित व्यवसायों और राजस्व मॉडल की एक बहुत अलग प्रोफाइल पर ध्यान देना उत्साहजनक है।

यह सीएटीवी उद्योग को कहां छोड़ता है? यह हमारे लिए देखने का महत्वपूर्ण बिंदु रहा है। इसका उत्तर रिपोर्ट में ही है और कैसे सीएटीवी उद्योग अगले 5–10 वर्षों में खुद को फिर से खोजेगा और खुद को बनाये रखने और विकसित करने के लिए नये राजस्व मॉडल और व्यवसायों के विभिन्न प्रोफाइलों को देखेगा…

यह सीएटीवी उद्योग और इसके हितधारकों के लिए अपने भविष्य का पता लगाने के लिए सकारात्मक कदम उठाने का संकेत है।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण ने एक बार फिर नये प्रसारण क्षेत्र के टैरिफ नियमों–एनटीओ 2.0 के कार्यान्वयन की समय सीमा को लगभग 6 महीने बढ़ाकर 30 नवंबर कर दिया है।

कोच्चि में पीपीसी टेक्नोलॉजीज के नवनिर्मित संयंत्र में ब्रॉडबैंड और 5जी उत्पादों के लिए अत्याधुनिक विनर्माण क्षमतायें हैं। यह 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। भारत मनोरंजन के एक पावरहाउस के रूप में उभरने के कगार पर है। आइए इस पर जश्न मनायें!

(Manoj Kumar Madhavan)